1-7-25

गुदड़ साईं

I ~~कठिन~~ कठिन शब्द

1) ~~ओझ~~ ओझल
2) गूदड़
3) वैरागी
4) आदान-प्रदान
5) चिथड़े
6) तृप्ति
7) गलबाँही
8) मनोविनोद
9) ठिठक गया
10) स्वभाव

II ~~Meaning~~ शब्दार्थ

1) गलबाँही - गले में बाँहें डालना।
2) आदान-प्रदान - लेना-देना।
3) ठिठक गया - एक दम से रुक गया।
4) तृप्ति - संतुष्टि
5) उलाहना - दोष देना

15/7/25

III प्रश्नों के उत्तर लिखो।

प्र0-1) मोहन पिता की नज़रें बचाकर साईं को साग-रोटी क्यों देता होगा?

उ0- पिता की डाँट से बचने के लिए मोहन उनसे नज़रें बचाकर साईं को साग-रोटी देता होगा।

प्र0-2) कई दिन बाद जब साईं आया, तो मोहन के घर की ओर क्यों नहीं गया होगा?

उ0- पिता ने मोहन को रोटी देते देख लिया था जिस पर उसे बहुत डाँट मिली थी मोहन को दुबारा डाँट न मिले इसलिए कई दिन बाद जब साईं आया तो वह मोहन के घर की ओर नहीं गया।

प्र0-3) साईं मोहन के पास क्यों आता था?

उ0- साईं को मोहन से मिलना, बातें करना अच्छा लगता था इसलिए वह उसके पास आता था।

प्र0-4) गूदड़ साईं नटखट बच्चे को क्यों बचाना चाहता था?

15/7/25

उ0- गूदड़ साईं नटखट बच्चे को ईश्वर की तरह समझता था इसलिए वह उसे बचाना चाहता था।

प्र0-5) "तुम निरे गूदड़ नहीं, गुदड़ी के लाल हो" मोहन के पिता ने ऐसा क्यों कहा?

उ0- गूदड़ साईं की असाधारण बातें और सज्जनता देखकर मोहन के पिता ने ऐसा कहा होगा।

IV ~~प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखो~~

गतिविधि - अपने मित्र का स्वभाव लिखो।

अतंश

अतंश का स्वभाव बहुत अच्छा है। वह मुझे पढाई में मदद करता है। जब अतंश पहली बार स्कूल में आया था तो हम दोनों दोस्त बन गए। हम दोनों गतिविधि साथ करते हैं। अतंश स्कूल को चौथी में आया था। अतंश मेरा परम मित्र है।

15/7/25

अथान

अथान का स्वभाव अच्छा है। वह मुझे पढाई में मदत करता है। हम दोनों गतिविधि साथ करते हैं। अथान मेरा दोस्त चौथी में हुआ था। अथान मेरा परम मित्र है। वह मेरी पढाई में मदत करता है।

V प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखो।

प्र0-1) गूदड़ साई कैसा व्यक्ति था? पाठ के आधार पर लिखो।

उ0- साई एक वैरागी था। साई में माया मोह नहि था। वह स्वाभिमानी था। साई का मन सरल था। वह बच्चे को प्यार करता था। वह बच्चों में भगवान का रूप देखता था।

प्र0-2) 'चिथडों पर तो ईश्वर ही दिया करते हैं' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करो।

16/7/25

उ0- साई का मन सरल और निष्कपट था। उसका मानना था कि इस चिथडे कि कोई किमत नहि होगी। ये सोने का नहीं है, इन्हे ले कर जाने वाला ईश्वर का ही रूप होगा, जिसकी नजर इस चिथडे पर पडी होगी। कोई चोर इन्हे क्यों लेगा।

प्र0-3) गूदड साई ने उस लडके को भगवान का रूप क्यों माना?

उ0- गूदड साई ने उस लडके को भगवान का रूप इसलिए माना क्योंकि यदि सोना या अन्य किमती वस्तु होती तो उसे तो चोर ही लेकर भागता है पर किसी के गूदड को तो हि लेना होगा।

Deep 21/7/25